एमएसएमई नीतियों का फायदा उठाएं उद्यमी :सहगल

लखनऊ | कार्यालय संवाददाता

सीआईआई ने शनिवार को यूपी में स्थापित सूक्ष्म, लघु तथा माध्यम उद्योगों के लिए उप एमएसएमई कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस मौके पर अपर मुख्य सचिव (एमएसएमई तथा एक्सपोर्ट प्रमोशन) नवनीत सहगल ने उद्यमियों को प्रदेश द्वारा लागू की गयी विभिन्न योजनाओं के बारे में अवगत कराया। साथ ही साथ मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को अगले पांच वर्षों में एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाये जाने के उनके लक्ष्य पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने बताया कि किस प्रकार से विभाग निरंतर विशेषज्ञों के साथ साझेदारी करके एमएसएमई को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धाकारी- जैसे की गुणवत्ता, संरचना, ई-कॉमर्स आदि क्षेत्रो में विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि जब तक उद्यम सरकार की मौजूदा नीतियों तथा सुविधाओं का भरपूर फायदा नहीं उठाएगी। तब तक सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयास निराधार साबित होंगे। उन्होंने सीआईआई से विभाग को एक विस्तृत रिपोर्ट देने का आग्रह किया, जिससे आगे की योजना एवं नीतियों का सृजन किया जा सके। सीआईआई यूपी हेड अंकित गुप्ता ने बताया कि वृहद स्तर पर एमएसएमई की संरचना सूक्ष्म उद्योगों की है, जिनमें से अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों में उपस्थित है। उत्तर प्रदेश एमएसएमई के विकास दर पर चौथे स्थान पर है। उन्होंने बताया की ऋण उपलब्धता, भुगतान में विलम्भ, कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता, अपर्याप्त रूप से घरेलु तथा वैश्विक बाजार तक पहुंच आदि एमएसएमई के विकास के लिए बड़ी चुनौतियां है।